

जब से पाया है कन्हैया आपका ये दर भजन लिरिक्स



जब से पाया है कन्हैया,
आपका ये दर,
तब से जग में जी रहा हूँ,
मैं उठा के सर,
जब से पाया है कन्हैया,
आपका ये दर।

तर्ज - तुम हमारे थे प्रभु जी।

इस जीवन के इक इक पल को,
प्यार से तुमने संवारा,
दुनिया भर का सुख मेरे बाबा,
तुमने मुझ पर वारा,
तेरे एहसास गिनने लगूँ तो,
बीत जाए उमर,
जब से पाया है कन्हैया,
आपका ये दर,
तब से जग में जी रहा हूँ,
मैं उठा के सर।

तेरे नाम का अमृत प्याला,
रोज ही मैं पीता हूँ,
कल की चिंता अब नहीं रहती,
आज में मैं जीता हूँ,
उसे भला क्या चिंता खुद की,
तुझपे जो निर्भर,
जब से पाया है कन्हैया,
आपका ये दर,
तब से जग में जी रहा हूँ,
मैं उठा के सर।

जब से तुमने थाम रखी है,
'सोनू' की ये कलाई,
आने से पहले लाख दफा ये,
सोचती है कठिनाई,
उस के दिल को कैसे डराए,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के सीधे अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



जब से पाया है कन्हैया,
आपका ये दर,
तब से जग में जी रहा हूँ,
मैं उठा के सर।bd।

जब से पाया है कन्हैया,
आपका ये दर,
तब से जग में जी रहा हूँ,
मैं उठा के सर,
जब से पाया है कन्हैया,
आपका ये दर।bd।

Singer – Reshmi Sharma
